7. चतुर चित्रकार

चित्रकार सुनसान जगह में, बना रहा था चित्र।
इतने ही में वहाँ आ गया, यम राजा का मित्र ।।

उसे देखकर चित्रकार के, तुरंत उड़ गए होश।
नदी, पहाड़, पेड़, पत्तों का, रह न गया कुछ जोश ।।

फिर उसको कुछ हिम्मत आई, देख उसे चुपचाप।
बोला–सुंदर चित्र बना दूँ, बैठ जाइये आप ।।

उकरू–मकरू बैठ गया वह, सारे अंग बटोर।
बड़े ध्यान से लगा देखने, चित्रकार की ओर ।।

चित्रकार ने कहा–हो गया, आगे का तैयार।
अब मुँह आप उधर तो करिए, जंगल के सरदार ।।

बैठ गया वह पीठ फिगकर, चित्रकार की ओर।
चित्रकार चुपके से खिसका, जैसे कोई चोर ।।

बहुत देर तक आँख मूँदकर, पीठ घुमाकर शेर।
बैठे–बैठे लगा सोचने, इधर हुई क्यों देर ।।

झील किनारे नाव लगी थी, एक रखा था बाँस।
चित्रकार ने नाव पकड़कर, ली जी भरके साँस ।।

जल्दी–जल्दी नाव चलाकर, निकल गया वह दूर।
इधर शेर था धोखा खाकर, झुँझलाहट में चूर ।।

शेर बहुत खिसियाकर बोला, नाव ज़रा ले रोक।
कलम और कागज़ तो ले जा, रे कायर डरपोक ।।

चित्रकार ने कहा तुरंत ही, रखिए अपने पास।
चित्रकला का आप कीजिए, जंगल में अभ्यास ।।

–रामनरेश त्रिपाठी

अभ्यास

कविता में से

1. कविता में शेर को यम राजा का मित्र क्यों कहा गया है?
2. शेर ने चित्रकार को नाव रोकने के लिए क्यों कहा?
3. शेर चित्रकार की ओर ध्यान से क्यों देखने लगा था?
4. चित्रकार ने शेर को क्या कहकर बुलाया?
5. शेर को देखकर चित्रकार की क्या दशा हुई?

कल्पना और अनुमान

1. अगर चित्रकार की जगह आप होते तो शेर से कैसे बचते?
2. यदि झील के किनारे नाव नहीं होती तो चित्रकार अपनी जान कैसे बचाता?
3. अगर शेर चित्रकार का कहा मानकर दूसरी तरफ मुँह नहीं करता तो क्या होता?
4. चित्रकार ने शेर का कैसा चित्र बनाया था? चित्र बनाकर दिखाइए–

उड़ गए होश

1. **"उसे देखकर चित्रकार के तुरंत उड़ गए होश।**
   नदी, पहाड़, पेड़, पत्तों का, रह न गया कुछ जोश।"
   (क) किसे देखकर चित्रकार के होश उड़ गए?
   (ख) जंगल में क्या-क्या था?

(ग) 'होश उड़ने' का अर्थ है –

नींद उड़ना ☐ बहुत घबरा जाना ☐ हैरान होना ☐

(घ) आपके होश कब उड़ते हैं?

- मेरे होश उड़ जाते हैं जब ----------
- मेरे होश उड़ जाते हैं जब ----------

(ङ) 'होश उड़ना' एक मुहावरा है जिसका अर्थ है- 'घबरा जाना' इसी 'घबरा जाना' को बताने के लिए कई और मुहावरे हैं, जैसे–

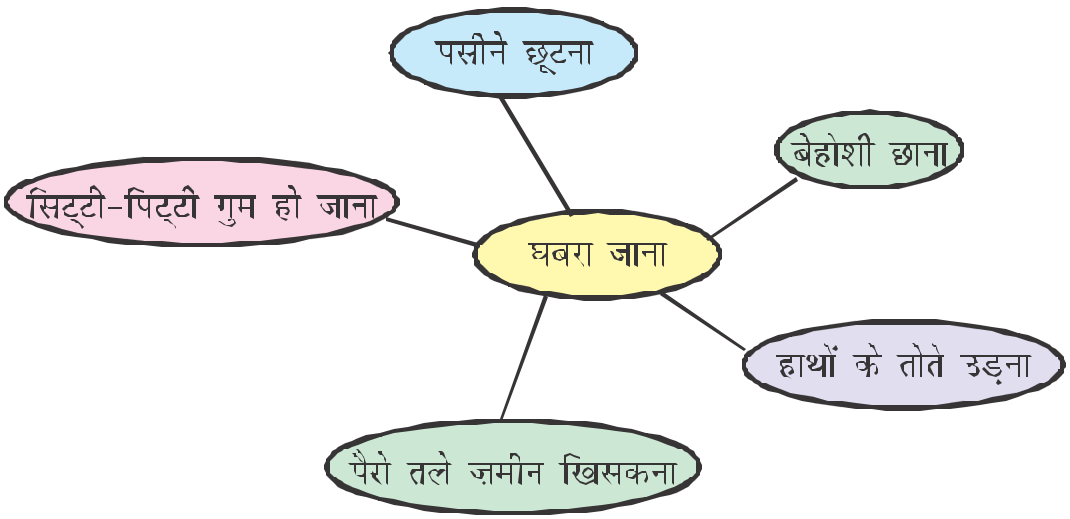

2. आप इन मुहावरों का प्रयोग करते हुए एक-एक वाक्य बनाइए।

चुपके से

'चित्रकार चुपके से खिसका, जैसे कोई चोर।'

(क) चुपके से खिसकने का क्या मतलब है?

(ख) चित्रकार चुपके से क्यों खिसकने लगा?

(ग) चोर चुपके से क्यों खिसकते होंगे?

(घ) किसी ऐसी घटना के बारे में बताइए जब आपको भी चुपके से खिसकना पड़ा हो?

(ङ) बताइए, ये कब-कब चुपके से खिसकते होंगे-

- आपकी कक्षा के बच्चे
- पिताजी
- माँ
- आपका दोस्त
- बहन
- भाई

(च) आप कुछ ऐसे काम भी करते होंगे जिन्हें चुपचाप न किया जाए तो डाँट पड़ती है। किसी एक घटना के बारे में बताइए।

भाषा के रंग

1. **'चित्रकार सुनसान जगह में बना रहा था चित्र।'** कविता की इस पंक्ति को **गद्य में इस तरह से लिखा जाता है –**

'चित्रकार सुनसान जगह में चित्र बना रहा था।'

आप नीचे दी गई पंक्तियों को गद्य में लिखिए –

(क) इतने ही में वहाँ आ गया, यम राजा का मित्र।

(ख) झील किनारे नाव लगी थी, एक रखा था बाँस

(ग) जल्दी-जल्दी नाव चलाकर निकल गया वह दूर।

(घ) उकरू-मुकरू बैठ गया वह, सारे अंग बटोर।
बड़े ध्यान से लगा देखने, चित्रकार की ओर॥

----

2. तुरंत उड़ गए <u>होश</u>। बना रहा था <u>चित्र</u>
रह न गया कुछ <u>जोश</u> यम राजा का <u>मित्र</u>

(क) ऊपर की पंक्तियों में अगर 'जोश', 'होश', 'मित्र' और 'चित्र' की जगह कोई दूसरा शब्द रखा जाए तो कविता पढ़ने में क्या अंतर आएगा?

(ख) नीचे दी गई पंक्तियों में आप भी कुछ ऐसे ही समान लय वाले शब्दों का प्रयोग कीजिए–

देख आँधी, तूफ़ान और धूल।
जाना कहाँ था, मैं गया ----।

आया चोर, आया चोर।
कहते-कहते हो गई ----।

मुन्नी लगी सुनाने बात।
सुनते-सुनते हो गई ----।

गुड़ की सगाई थी, चींटी रानी आई थी;
साथ ले उपहार में, मोटा चींटा --- थी।

शब्दों की दुनिया

1. **उधर शेर था धोखा खाकर झुँझलाहट में चूर॥**

(क) यहाँ 'चूर' शब्द का क्या मतलब है?

(ख) 'चूर-चूर होना', 'थककर चूर होना' और 'चकनाचूर होना' इन मुहावरों का प्रयोग वाक्यों में कीजिए जिससे इनके अर्थ स्पष्ट हो जाएँ।

2. **नीचे दिए गए शब्दों को बोल-बोलकर पढ़िए –**

कहा-कहाँ **आधी-आँधी**

(क) दोनों को बोलने में क्या अंतर है? इनके अर्थ में क्या अंतर है? इस अंतर का कारण बताएँ?

(ख) वाक्यों में आए मोटे शब्दों में चंद्रबिंदु का सही प्रयोग कीजिए–

- आप **कहा** जा रहे हैं?
- मैंने **बास** की टोकरी बनाई।
- मेरी **आख** में कुछ पड़ गया है।

- लगता है **आधी** आने वाली है।
- सारा **गाव** खुश था।
- मैंने जल्दी से सामान **बाधा** ।

3. **'चित्र'** में **'कार'** जोड़ने से **'चित्रकार'** शब्द बना है।
आप भी **'दार'** लगाकर शब्द बनाइए –

दुकान – दार – ----------

हवा + ----- – ----------

समझ + ----- – ----------

जान – ----- – ----------

शान + ----- – ----------

4. चित्र बनाने वाले को 'चित्रकार' कहते हैं। इसी प्रकार नीचे के स्तम्भ 'क' में स्तम्भ 'ख' से सही शब्द मिलाइए –

स्तम्भ 'क'	स्तम्भ 'ख'
संगीत बनाने	मूर्तिकार
गीत लिखने वाला	कलाकार
कला दिखाने वाला	संगीतकार
कहानी लिखने वाला	कहानीकार
मूर्ति बनाने वाला	गीतकार

5. 'बोला – **सुंदर** चित्र बना दूँ, बैठ जाइए आप।'
इस पंक्ति में चित्र की क्या विशेषता बताई गई है? रिक्त स्थान में भरिए–
चित्र ---------- है।

संज्ञा की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।

स्तंभ 'क' में संज्ञा शब्द और स्तंभ 'ख' विशेषण शब्द दिए गए हैं। इनका सही मिलान कीजिए–

स्तंभ 'क'	स्तंभ 'ख'
पहाड़	चतुर
पानी	घना
पेड़	ऊँचा
शेर	डरावना
चित्रकार	हरा
जंगल	सच्चा
मित्र	ठंडा

आपकी चतुराई

किसी ऐसी घटना के बारे में बताइए जब आपने भी चतुराई से काम किया हो।

आपकी कलम से

'चतुर चित्रकार' शीर्षक कविता को कहानी के रूप में लिखिए और सुनाइए।